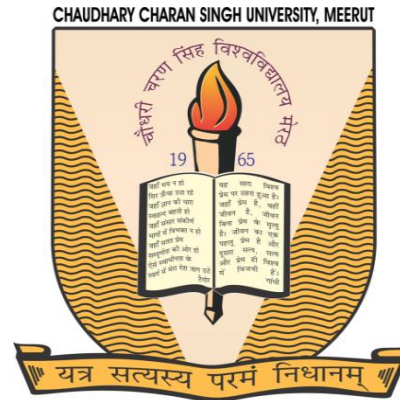


CHAUDHARY CHARAN SINGH UNIVERSITY, MEERUT, UTTAR PRADESH



Registrar
Ch. Charan Singh University
Meerut

7.1.11 Ambedkar Jayanti celebrations in the Campus

परिनिर्वाण दिवस पर याद किए गए डा. आंबेडकर

कमलम संसदघर, नई दिल्ली परिसर में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी।



कमलम के पास डा. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि करने वाले लोग।



डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि करने वाले लोग।

आंध्रप्रदेश सरकार के अंतर्गत डॉ. आंबेडकर अंतर्राज्यीय परिनिर्वाण दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी।



डा. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि करने वाले लोग।



श्री. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि करने वाले लोग।

श्री. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि करने वाले लोग।

आंध्रप्रदेश सरकार के अंतर्गत डॉ. आंबेडकर अंतर्राज्यीय परिनिर्वाण दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी।

आंध्रप्रदेश सरकार के अंतर्गत डॉ. आंबेडकर अंतर्राज्यीय परिनिर्वाण दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी।

आंध्रप्रदेश सरकार के अंतर्गत डॉ. आंबेडकर अंतर्राज्यीय परिनिर्वाण दिवस मनाया। कार्यक्रम में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि दी।

Ambedkar Jayanti
07-12-2021

15/04/19

संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे डा. भीमराव आंबेडकर



विवि के बृहस्पति भवन में गोष्ठी के बाद सम्मानित हुए काशीराम शोधपीठ के छात्र- छात्राएँ

जासं, मेरठ : डा. भीमराव आंबेडकर किसी एक समुदाय के नेता नहीं थे, वह समस्त समाज के नेता थे। वह संस्कृत को भारत की राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे। यह बात ची. चरण सिंह विवि के बृहस्पति भवन में आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कही।

विवि के साहित्यिक और सांस्कृतिक परिषद की ओर से आयोजित विचार गोष्ठी में अजय मित्तल ने कहा कि डा. आंबेडकर जब कानून मंत्री थे तो उनका बेटा किसी व्यक्ति की सिफारिश लेकर आया था। आंबेडकर ने यह कहकर मना कर दिया था कि वह यहाँ पर भारत सरकार के कानून मंत्री हैं, किसी के पिता नहीं। उन्होंने कहा कि डा. भीमराव हिन्दू महासभा के प्रस्ताव पर संस्कृत भाषा को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे, लेकिन उनके प्रस्ताव को मना कर दिया गया।

उन्होंने धारा 370 का भी विरोध किया था। विवि की प्रतिकूलपति वाई विमला ने कहा कि हम महापुरुषों को केवल उनकी जयंती मनाने तक सीमित मत रखें। उनके बताएँ गये पर भी चलने का संकल्प लें। तभी हमारी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। चरण सिंह लिसाड़ी ने

डा. आंबेडकर के बताएँ गये पर चलने की बात कही। प्रो. सुमंगल प्रकाश, गीता श्रीवास्तव ने भी अपने विचार रखे। संचालन प्रो. विघ्नेश त्यागी ने किया। प्रो. वीरपाल, प्रो. दिनेश कुमार, डा. प्रशांत, प्रो. एबी कौर, डा. धर्मेन्द्र, मितेंद्र कुमार, सूर्य प्रकाश, डा. नरेंद्र पांडे, राम प्रताप आदि उपस्थित रहे।

काशीराम शोधपीठ के 20 शोधार्थी पुरस्कृत

विश्वविद्यालय में काशीराम शोधपीठ के 20 छात्र- छात्राओं को आठ- आठ हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। इन छात्र- छात्राओं ने अलग- अलग क्षेत्रों में छह माह के प्रोजेक्ट पर कार्य करके शोध किया था। इसमें प्रो. दिनेश कुमार ने सभी को चेक वितरित किया।

चेक पाने वाले छात्र- छात्राओं में लवली, आशी, रोहित कश्यप, प्रिया, भानु प्रताप, रविना, काव्या, हिमांशु, सीदागर सिंह, सनी, रोहित, आरशी, शहरीन, शीलम भड़ाना, मनीष सिंह रहे। ये सभी इतिहास, राजनीति, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थी हैं।

Ambedkar Jayanti
15-04-2019
Sahityik Sanskritik Parishad